SPONSORED INTERNATIONAL CONFERENCES
An International Conference on
"India is going to become an education hub with technology"
14 June 2015
ISSN: 2393-8048

हिंदी विज्ञान कथा साहित्य: परंपरागत आधार और समकालीन प्रयोगशीलता का विश्लेषण

Dhonde Bhimrao Anandrao, Research Scholar, Department of Hindi, CTU, Gujarat

सार

भारत नई शिक्षा नीति (NEP 2020), डिजिटल नवाचार तथा प्रौद्योगिकी-आधारित शिक्षण के माध्यम से वैश्विक शिक्षा केंद्र बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। ऐसे समय में हिंदी विज्ञान कथा साहित्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि वैज्ञानिक चेतना, तकनीकी दृष्टि, नवाचार तथा भविष्य-दृष्टि के विकास का प्रभावी साधन बनकर उभरता है। प्रस्तुत शोधपत्र का उद्देश्य हिंदी विज्ञान कथा साहित्य की परंपरागत पृष्ठभूमि तथा समकालीन प्रयोगशील प्रवृत्तियों का विश्लेषण करना है। अध्ययन में प्रारंभिक हिंदी विज्ञान कथाओं से लेकर वर्तमान समय के उन साहित्यिक प्रयोगों का विवेचन किया गया है, जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence), रोबोटिक्स, अंतरिक्ष विज्ञान, जैव-प्रौद्योगिकी, आभासी वास्तविकता (Virtual Reality), पर्यावरणीय संकट तथा डिजिटल समाज जैसे विषयों को समाहित किया गया है।

यह शोध इस बात का भी परीक्षण करता है कि विज्ञान कथा साहित्य विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता, समस्या-समाधान क्षमता तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास में किस प्रकार सहायक सिद्ध हो सकता है। शिक्षा और प्रौद्योगिकी के समन्वित परिप्रेक्ष्य में हिंदी विज्ञान कथा साहित्य की प्रासंगिकता का मूल्यांकन करते हुए यह शोध निष्कर्ष प्रस्तुत करता है कि विज्ञान कथा भविष्य की शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार संस्कृति को सुदृढ़ करने का एक प्रभावी माध्यम है। भारत को शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में हिंदी विज्ञान कथा साहित्य ज्ञान, कल्पना और वैज्ञानिक चेतना के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य कर सकता है।